

नवीन चकराता टाउनशपि बसाए जाने को कैबिनेट की हरी झंडी

चर्चा में क्यों?

31 मई, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार उत्तराखंड कैबिनेट ने देहरादून ज़िले के नवीन चकराता टाउनशपि को बसाए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

प्रमुख बद्दि

- पुरोड़ी से लेकर लखवाड़ यमुना पुल तक का क्षेत्र टाउनशपि में शामिल किया जाएगा। इस बहु प्रतीक्षित टाउनशपि का निर्माण मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) करेगा।
- वदिति है कि पूर्व ज़िला पंचायत अध्यक्ष रामशरण नौटयिल ने 6 नवंबर, 1997 में नवीन चकराता का शलान्यास किया था। उनके ही प्रयासों से 26 नवंबर, 2021 को मुख्यमंत्री पुष्कर सहि धामी ने अपने पूर्व कार्यकाल में नवीन चकराता टाउनशपि को बसाए जाने की घोषणा की थी।
- टाउनशपि में पुरोड़ी, रामताल गार्डन, बरिमोऊ कांडी, सजयिना, माखटी पोखरी, चौरानी डांडा, बैराटखाई, शखाई डांडा, चोरी डांडा, पांचोई डांडा, वायधार, गांगरो डांडा, ग्यावा डांडा, चटिडा डांडा, श्यामधार, झुल्का डांडा, नागथात, टकिरथात, बानीथात, ड्युंडीलानी, देशगाड़, पपिया, मटयिणा, जखोड़, सणिया आदि क्षेत्र टाउनशपि के अधिकार क्षेत्र में आएंगे, जबकि कालसी तहसील के 32 और चकराता के 8 गाँव आंशिक रूप से टाउनशपि का हिस्सा बनेंगे।
- टाउनशपि बनने से क्षेत्र के पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। वर्तमान में चकराता छावनी क्षेत्र में पाबंदी के चलते सीमति संख्या में होटल और व्यापारिक प्रतष्ठितान हैं। पर्यटन को बढ़ावा मिलने से रोज़गार के अवसर भी सृजति होंगे।
- जनजातीय क्षेत्र का दर्जा मिलने के बाद यह जौनसार बावर को मिलने वाला दूसरा बड़ा तोहफा है। टाउनशपि के बसने से जनजातीय क्षेत्र विकास के नए आयाम को छुएगा।

